भारत की राष्ट्रपति,

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

का

मैसुरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के अवसर पर सम्बोधन

मैसुरु, **26** सतंबर, **2022**

देवी चामुंडेश्वरीगे, नन्ना, मनपूर्वक, नमस्कारगलू!

येल्ला सहोदरा, सहोदरीयरिगे, नन्ना, हृदयपूर्वक, नमस्कारगलू!

मैं, देवी चामुंडेश्वरी को, श्रद्धापूर्वक नमन करती हूं:

जय त्वं दे व चामुण्डे, जय भूतार्तिहारि ण।

जय सर्वगते दे व, कालरात्रि नमोऽस्तुते॥

मैं देवी चामुंडेश्वरी से , यह प्रार्थना करती हूं , क उनका आशीर्वाद , सभी देशवा सयों को, सदैव मलता रहे। दशहरा के शुभारंभ के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवा सयों को बधाई देती हूं।

कर्नाटक के नाड-हब्बा , यानि State Festival मैसुरु दशहरा के श्रीगणेश के प वत्र अवसर पर, मैं कर्नाटक के सभी निवा सयों और मैसुरु के सभी भाई-बहनों के लए वशेष शुभकामनाएं व्यक्त करती हूं। मुझे इस वर्ष के भव्य दशहरा उत्सव का उद्घाटन करके बहुत प्रसन्नता हो रही है।

हमारी आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व लोक-परंपरा में देवी चामुंडेश्वरी परम-पूज्या मानी जाती हैं। एक लोक-परंपरा के अनुसार महाशक्ति ने महिषासुर का इसी क्षेत्र में वध कया था। आदि-शक्ति का यह स्थान आध्यात्मिक ऊर्जा के स्रोत के रूप में जन-

जन के हृदय में वद्यमान है। इसका प्रमाण देश- वदेश में बसे वे असंख्य लोग हैं जो दूर-दूर से देवी चामुंडेश्वरी के दर्शन के लए यहां आते रहते हैं।

दे वयो और सज्जनो,

हमारे देश के ऋ ष-मुनियों ने तथा सामान्य जनता ने भी सदियों से भारतीय समाज को उत्सवों के माध्यम से जोड़े रखा है। रामायण , महाभारत, पुराण, इतिहास और लोक-कथाओं के दैवी और मानवीय चरित्रों पर आधारित पर्व पूरे देश में मनाए जाते हैं। इन पर्वों में व वधता के साथ-साथ एकरूपता भी दिखाई देती है। मैसुरु दशहरा भारतीय-संस्कृति के गौरव का पर्व भी है।

कर्नाटक में भारत की आध्यात्मिक परंपरा के आदर्श स्था पत होते रहे हैं। यहां जैन तथा बौद्ध परंपरा से जुड़े अनेक प्राचीन स्थल वद्यमान हैं। आदि शंकराचार्य ने शृंगेरी मठ की स्थापना इसी राज्य के इलाके में की थी। गुलबर्गा सूफी सल सले का प्रमुख केंद्र रहा है। कर्नाटक में 12th Century में बसवन्ना, अल्लम-प्रभु और अक्का-महादेवी ने भक्ति और समता का आदर्श प्रस्तुत कया। सभी जातियों और वर्गों को एक साथ लाकर बसवन्ना ने अनुभव-मंटपा की स्थापना की और लोकतान्त्रिक पद्धति को अपनाया। अनुभव-मंटपा में , आध्यात्मिक और सामाजिक वषयों पर चर्चा होती थी। उन संतों ने महान भक्ति-काव्य की रचना की जिन्हें “वचन” कहा जाता है। आज से लगभग 900 वर्ष पहले की उस काव्य-धारा में 35 महिला संतों ने योगदान दिया था। आज भी भक्ति-भाव के साथ “वचन” को गाने व सुनने की परंपरा कर्नाटक के लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा है।

इस प्रकार कर्नाटक से भक्ति, समानता, लोकतन्त्र तथा महिला-सशक्तीकरण का ऐतिहा सक आदर्श प्रस्तुत कया गया है। आदि-शक्ति द्वारा महिषासुर , मधु-कैटभ, चंड-मुंड और शुंभ-निशुम्भ जैसे असुरों को परास्त करने की कथाओं में भी महिला-शक्ति का दर्शन होता है। पालन-पोषण करने के लए महिलाएं - त्याग, ममता, और दया का मूर्तिमान स्वरूप होती हैं। ले कन अन्याय , अधर्म और अहंकार पर वजय

प्राप्त करने के लए वे दुर्गा, चं डका और चामुंडा का अवतार भी लेती हैं। महिला के शक्ति-स्वरूप का सम्मान करने की यही भावना आज से आरंभ हो रहे नवरात्रों से जुड़ी नव-दुर्गा की उपासना में व्यक्त होती है। महिलाओं में निहित अदम्य-शक्ति का सम्मान करना ही वजया-दशमी के साथ सम्पन्न हो रहे दशहरा पर्व की मूल भावना भी है। कर्नाटक ने ही रानी अब्बक्का और कत्तूर की रानी चेन्नम्मा जैसी वीरांगनाओं के नेतृत्व में   वदेशी शासकों के वरुद्ध संग्राम के आरं भक उदाहरण प्रस्तुत कए हैं। वीर-वनिता, ओनके ओबव्वा की गाथा कर्नाटक के जन-मानस को आज भी प्रेरित करती है। महिला सशक्तीकरण की वकास-यात्रा आज के भारत में हमारी बहनों और बेटियों की बहु-आयामी प्रगति में दिखाई दे रही है। ले कन   इस प्रगति को और शक्ति प्रदान करने की आवश्यकता है।

दे वयो और सज्जनो,

यह सभी देशवा सयों के लए गर्व की बात है   क मैसुरु दशहरा की यह परंपरा आज भी पूरी जीवन्तता के साथ आगे बढ़ाई जा रही है। इसके लए मैं राज्य सरकार की सराहना करती हूं। मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई जी ने   मुझे इस परंपरा के साथ जुड़ने का आमंत्रण दिया। इसके लए मैं उन्हें धन्यवाद देती हूं।

हाल ही में राज्य के कुछ हिस्सों में लोगों को अ धक बारिश और जल-भराव के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। राज्य सरकार के प्रयासों से   इस कठिनाई से मुक्ति के प्रभावी उपाय कार्यान्वित हुए हैं। मुझे वश्वास है   क ऐसी कठिनाइयों से जुड़े और भी सु वचारित उपाय कए जाते रहेंगे।

मुझे यह जानकर बहुत प्रसन्नता हो रही है क राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत जी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई जी के नेतृत्व में   कर्नाटक-निवासी वकास के नए प्रतिमान स्था पत कर रहे हैं। वत्त-वर्ष 2021-22 के दौरान Hardware और software के क्षेत्र में Total Foreign Direct Investment का 53 per cent यानि आधे से अ धक भाग, कर्नाटक ने आक षत कया। यह कर्नाटक की वश्व-व्यापी ख्याति का प्रमाण है। बेंगलुरु को भारत का   top start-up-hub माना

जाता है। NITI Aayog Sustainable Development Goals - India Index 2020-21 के अनुसार Innovation Index में कर्नाटक देश में प्रथम स्थान पर है। प्राथमक शक्षा में कर्नाटक ने 100 per cent enrolment का लक्ष्य हासल कर लया है। 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' के तहत कर्नाटक ने 100 per cent connectivity का लक्ष्य प्राप्त कर लया है। इस तरह की अनेक उपलब्धियों से देश को समृद्ध बनाने तथा भारत का गौरव बढ़ाने के लए मैं कर्नाटक की राज्य सरकार और सभी निवासयों को बधाई देती हूं। साथ ही कर्नाटक के निरंतर वकास के लए मैं हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं।

धन्यवाद!

जय हिन्द!

जय भारत!